अधिवक्ता संशोधन विधेयक

संदर्भ:

- संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन लोकसभा में अधिवक्ता संशोधन विधेयक, 2023 पारित किया गया।
- इसका प्राथमिक उद्देश्य पुराने विधि व्यवसायी अधिनियम, 1879 को निरस्त करना और अधिवक्ता अधिनियम, 1961 में संशोधन करके कानून प्रणाली से 'दलालों' को समाप्त करना है।

पृष्ठभूमि:

- 1879 का विधि व्यवसायी अधिनियम विशिष्ट प्रांतों में विधि व्यवसायियों से संबंधित कानूनों को समेकित और संशोधित करने के लिए अधिनियमित किया गया था।
- इस अधिनियम की धारा 2 में "दलाल" को परिभाषित किया गया है।

अधिवक्ता अधिनियम, 1961

- अधिवक्ता अधिनियम, 1961 को स्वतंत्रता के बाद विधि व्यवसायियों से संबंधित कानूनों को मजबूत करने तथा बार काउंसिल और एक अखिल भारतीय बार काउंसिल की स्थापना के लिए पेश किया गया था।
- इसने स्वतंत्रता से पहले के तीन अधिनियमों को बदल दिया, जिसमें विधि व्यवसायियों को नियंत्रित करने वाला 1879 का अधिनियम भी शामिल था।

परिवर्तन की आवश्यकता:

- विधि आयोग ने अपनी 249वीं रिपोर्ट में 1879 के पुराने अधिनियम को अप्रासंगिक होने के कारण निरस्त करने की सिफारिश की।
- 1961 के अधिवक्ता अधिनियम ने दलालों से संबंधित प्रावधानों को बरकरार रखा, जिससे अधिवक्ता संशोधन विधेयक, 2023 पेश किया गया है।

अधिवक्ता संशोधन विधेयक 2023:

- नया विधेयक 1961 के अधिनियम में धारा 45A को शामिल करता है, जो उच्च न्यायालयों और जिला न्यायाधीशों को दलालों की सूची बनाने और प्रकाशित करने का अधिकार देता है।
- आरोपों को चुनौती देने का अवसर दिए बिना व्यक्तियों के नाम शामिल नहीं किए जाएंगे। कथित दलालों की जांच के लिए अधीनस्थ अदालतों को सूचित किया जा सकता है, जिसके निष्कर्षों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- एक दलाल के रूप में दोषसिद्धि के परिणामस्वरूप संभावित कारावास के साथ प्रत्येक अदालत में एक सूची को प्रकाशित किया जाना शामिल है।

विधेयक के उद्देश्य:

- विधेयक का व्यापक उद्देश्य अनावश्यक कानूनों को कम करके और अप्रासंगिक अधिनियमों को समाप्त करके कानूनी अधिनियमों को सुव्यवस्थित करना है।
- विधेयक समकालीन कानूनी प्रथाओं के साथ सरेखण सुनिश्चित करते हुए पुराने विधि व्यवसायी अधिनियम को निरस्त करने के लिए बार काउंसिल ऑफ इंडिया के साथ परामर्श को शामिल करता है।

दलाल (Tout) क्या है?

- 'दलाल' एक ऐसा व्यक्ति है, जो अदालत के मामले/शिकायत के किसी भी पक्ष को अदालत में सम्बन्धित मामले/शिकायत के संचालन के लिए किसी विशेष वकील को शामिल करने के लिए प्रेरित करता है।
- उस अदालत के मामले/शिकायत में उक्त वकील का शुल्क भी उक्त 'दलाल' द्वारा तय किया जाता है। उस पक्ष के उक्त वकील द्वारा उक्त शुल्क का आंशिक/पूर्ण भुगतान प्राप्त करने के बाद, उस भुगतान का लगभग पचास प्रतिशत उक्त वकील द्वारा 'दलाल' को दिया जाता है। इस तरह कुल प्राप्त शुल्क का पचास प्रतिशत 'दलाल' के पास चला जाता है।

भारत में विधि व्यवसायियों का वर्गीकरण

1. **सॉलिसिटर:** स्वतंत्रता पूर्व भारत में ब्रिटिश सॉलिसिटर तत्कालीन बॉम्बे और कलकत्ता उच्च न्यायालयों में एक अलग वर्ग के रूप में विकसित हुए, जो अदालत की वकालत के बिना मामले की तैयारी के लिए जिम्मेदार थे।
2. **बैरिस्टर:** बैरिस्टर ब्रिटिश भारत के दौरान कानूनी पेशे में एक प्रमुख पद पर थे, विशेष रूप से कलकत्ता उच्च न्यायालय में जहां विशेष अभ्यास के अधिकार दिए गए थे।
3. **वकील:** शुरू में ब्रिटिश वकीलों को संबोधित करने वाला यह शब्द अब कभी-कभी व्यापक अर्थों में अधिवक्ताओं को शामिल करता है।
4. **भारतीय प्रैक्टिशनर:**
   - **वकील:** ये स्वतंत्रता के पूर्व उच्च न्यायालयों में वकालत के लिए योग्य थे, लेकिन यह वर्ग अब मौजूद नहीं है।
   - **प्लीडर्स:** विशेष वकील से कम योग्यता वाले विधि स्नातक जिला और अधीनस्थ अदालतों में कार्य तथा वकालत कर सकते हैं।
   - **मुख्तार:** मुख्तार, विशिष्ट परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने के बाद, मुख्य रूप से अधीनस्थ अदालतों के भीतर मुफस्सिल में आपराधिक अदालतों में वकालत करने तक ही सीमित थे।

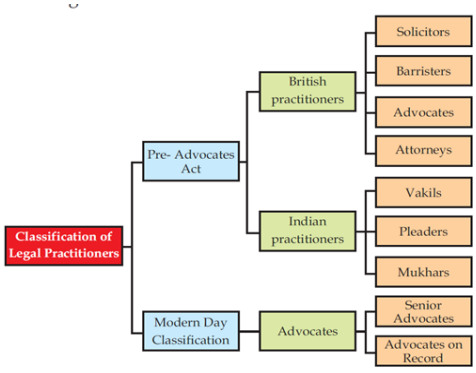

5. **अधिवक्ता:**
   - मूल रूप से ब्रिटिश और आयरिश बैरिस्टरों तक सीमित, यह शब्द अब घरेलू अदालतों में वकालत करने के लिए योग्य भारतीय वकीलों को शामिल करता है।
   - एडवोकेट्स ऑन रिकॉर्ड (AOR) को पांच साल के नामांकन के बाद सुप्रीम कोर्ट की योग्यता परीक्षा उत्तीर्ण करनी चाहिए, जिसमें कम से कम पांच साल के AOR के साथ एक साल का प्रशिक्षण भी शामिल है।
   - सर्वोच्च न्यायालय में विशिष्ट कानूनी दस्तावेज केवल एडवोकेट्स ऑन रिकॉर्ड ही दाखिल कर सकता है।

जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक (CCPI) 2024

संदर्भ: जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक (CCPI) 2024 रिपोर्ट से पता चलता है कि भारत 2022 के दौरान जलवायु प्रदर्शन में सातवें स्थान पर रहा है।

जलवायु प्रदर्शन रैंकिंग:

1. भारत ने 2022 के जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक (CCPI) में सातवीं रैंक हासिल की है।
2. प्रभावी रूप से, भारत को चौथा माना जाता है, क्योंकि किसी भी देश ने **'शीर्ष'** प्रदर्शन श्रेणी में पहले तीन रैंक प्राप्त नहीं किए हैं।
3. यह पिछले वर्ष की रैंकिंग में आठवें स्थान से सुधार को दर्शाता है।

शीर्ष प्रदर्शनकर्ता:

1. डेनमार्क ने 75.59% के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान बरकरार रखा है।
2. एस्टोनिया और फिलीपींस ने क्रमशः 72.07 और 70.70 के स्कोर के साथ दूसरे और तीसरे स्थान को हासिल किया है।
3. भारत ने पिछले वर्ष के 67.35% की तुलना में 70.25% के स्कोर के साथ प्रदर्शन में सुधार किया है।

वैश्विक प्रदर्शन:

1. यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त राज्य अमेरिका और इटली सहित अधिकांश विकसित देशों ने पिछले वर्ष की तुलना में खराब प्रदर्शन किया है।
2. सऊदी अरब 67वें स्थान पर और UNFCCC COP-28 का मेजबान देश संयुक्त अरब अमीरात 65वें स्थान पर रहा है।
3. रिपोर्ट 1.5 डिग्री सेल्सियस लक्ष्य को पूरा करने के लिए वैश्विक ग्रीनहाउस गैसों को कम करने की आवश्यकता पर जोर देती है।

CCPI मूल्यांकन मानदंड:

1. सूचकांक 14 संकेतकों के साथ चार श्रेणियों को समाहित करता है, जिसमें ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन (40%) नवीकरणीय ऊर्जा (20%) ऊर्जा उपयोग (20%) और जलवायु नीति (20%) शामिल हैं।
2. मूल्यांकन किए गए 64 देशों में से 37 ने पिछले वर्ष की तुलना में प्रदर्शन में गिरावट दिखाई है।
3. पांच देशों ने अपनी यथास्थिति बनाए रखी, जो वैश्विक स्तर पर न्यूनतम सुधार का संकेत देती है।

विशिष्ट श्रेणियों में भारत की रैंकिंग:

1. प्रति व्यक्ति कम मानक के कारण भारत ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 9वें और ऊर्जा उपयोग में 10वें स्थान पर है।
2. जलवायु नीति में भारत ने 10वां स्थान हासिल किया, जबकि नवीकरणीय ऊर्जा में यह 37वें स्थान पर रहा है।
3. भारत की उच्च जनसंख्या इसके प्रति व्यक्ति ऊर्जा उपयोग को सकारात्मक रूप से प्रभावित करती है, जो इसकी समग्र उच्च जलवायु प्रदर्शन रैंकिंग में योगदान करती है।

सुधार के लिए चिंताएं और क्षेत्र:

1. तेल और गैस के साथ-साथ कोयले पर भारत की अधिक निर्भरता, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन और वायु प्रदूषण के लिए एक प्रमुख चिंता का विषय बनी हुई है।
2. रिपोर्ट में अपने राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (NDC) को पूरा करने के लिए भारत के प्रयासों पर प्रकाश डाला गया है, लेकिन बताया गया है कि अक्षय ऊर्जा में परिवर्तन धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा है।
3. हालांकि भारत ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन और ऊर्जा उपयोग की श्रेणियों में उत्कृष्ट है, किन्तु जलवायु नीति और नवीकरणीय ऊर्जा अपनाने में तेजी से प्रगति की आवश्यकता है।

BASIC समूह और अन्य देश:

1. चीन, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका सहित BASIC समूह के अन्य सदस्यों ने बेहतर प्रदर्शन किया है।
2. चीन ने अपना 51वां स्थान बरकरार रखा है, ब्राजील ने 15 स्थानों का सुधार किया है और दक्षिण अफ्रीका एक स्थान नीचे हो गया है।
3. विकसित देशों में इटली, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, जापान और संयुक्त राज्य अमेरिका की रैंकिंग में गिरावट आई है, जबकि जर्मनी और यूरोपीय संघ ने मामूली सुधार दिखाया है।

जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक

1. **उत्पत्ति:** जर्मनवॉच, न्यू क्लाइमेट इंस्टीट्यूट और क्लाइमेट एक्शन नेटवर्क 2005 से प्रतिवर्ष जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक (CCPI) को प्रकाशित करते हैं।
2. **फोकस:** यह स्वतंत्र निगरानी उपकरण 59 देशों और यूरोपीय संघ के जलवायु संरक्षण प्रदर्शन का मूल्यांकन करता है, जिसमें 92% से अधिक वैश्विक ग्रीनहाउस गैस (GHG) उत्सर्जन शामिल है।
3. **उद्देश्य:** CCPI अंतर्राष्ट्रीय जलवायु राजनीति में पारदर्शिता को बढ़ावा देने, जलवायु संरक्षण प्रयासों की तुलना और भाग लेने वाले देशों के बीच प्रगति को सुविधाजनक बनाने का काम करता है।

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

9 December, 2023

NEWS IN BETWEEN THE LINES

मिसिसिपी नदी

हाल ही में, राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (NMCG) ने मिसिसिपी रिवर सिटीज एंड टाउंस इनिशिएटिव (MRCTI) के साथ एक साझा उद्देश्य (MoCP) के ज्ञापन पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं।

मिसिसिपी नदी के बारे में:

- मिसिसिपी नदी का उद्भव 12,000 साल पहले ग्लेशियरों के पिघलने से हुआ था।
- इसका उद्गम उत्तरी मिनेसोटा में इटास्का झील से एक छोटी सी धारा के रूप में होता है और यह मैक्सिको की खाड़ी में समाप्त होती है।
- यह उत्तरी अमेरिका की दूसरी सबसे लंबी नदी है।
- मिसिसिपी नदी की प्रमुख सहायक नदियाँ ऊपरी मिसिसिपी, अर्कांसस, इलिनोइस, मिसौरी, ओहियो और रेड नदी है।
- यह नील, अमेज़न और यांग्त्ज़ी के बाद दुनिया की चौथी सबसे लंबी नदी प्रणाली है।

डोडो

हाल ही में, आनुवंशिकीविद् और संरक्षणवादी 17वीं सदी के अंत में विलुप्त हो चुके डोडो को मॉरीशस द्वीप में उसके मूल निवास स्थान पर फिर से लाने के लिए एकजुट हुए हैं।

डोडो के बारे में:

- डोडो (**राफस कुकुलैटस/Raphus Cucullatus**) एक विलुप्त पक्षी है जो उड़ नहीं सकता था।
- यह हिंद महासागर के मॉरीशस द्वीप का स्थानिक था।
- यह जीनस ब्रिसन और कोलंबिडे परिवार का हिस्सा था।
- 1598 में पहली बार मॉरीशस पहुंचे डच नाविकों ने मांस के लिए डोडो का शिकार किया था।
- इसे मानव-प्रेरित विलुप्ति का अंतिम प्रतीक माना जाता है।
- डोडो लगभग तीन फीट लंबा था और इसका वजन 22-40 पाउंड था।
- यह टर्की (Turkey) से भी बड़ा और लगभग हंस के आकार का था।
- इसके नीले भूरे पंख और एक सफेद पूंछ पंख होती थी।

गॉड फ्लावर

हाल ही में, यह देखा गया है कि जलवायु परिवर्तन के कारण ताइवान का गॉड फ्लावर लुप्त हो रहा है।

गॉड फ्लावर (God Flower) के बारे में:

- द गॉड फ्लावर (डेंड्रोबियम ऑर्किड) एक पीला फूल है जिसके केंद्र में मखमली नारंगी-किनारे हैं।
- यह मध्य ताइवान के अलीशान के पहाड़ों में चमकदार हरी बेंतों (Glossy Green Canes) पर 10 से 20 के समूहों में उगता है।
- इन फूलों को देवताओं का प्रवेश द्वार कहा जाता है।
- ताइवान में स्वदेशी त्सोउ (Tsou) लोगों के बीच इसका अत्यधिक सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व है।

जीनोम (GNoME)

हाल ही में, गूगल (Google) के डीपमाइन्ड (DeepMind) ने GNoME विकसित किया है, जो एक AI टूल है जो ग्राफ न्यूरल नेटवर्क का उपयोग करके नई सामग्री संरचनाओं की भविष्यवाणी करता है।

GNoME के बारे में:

- GNoME का मतलब ग्राफ नेटवर्क्स फॉर मैटेरियल्स एक्सप्लोरेशन (Graph Networks for Materials Exploration) है।
- यह गूगल की डीपमाइन्ड प्रयोगशाला द्वारा विकसित एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) टूल है।
- इसे नई सामग्रियों की संरचनाओं की भविष्यवाणी करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- यह एक अत्याधुनिक ग्राफ न्यूरल नेटवर्क (GNN) मॉडल है।
- GNoME के लिए इनपुट डेटा एक ग्राफ के रूप में होता है, जो परमाणुओं के बीच संबंधों को दर्शाता है।
- इसे मूल रूप से सामग्री परियोजना से प्राप्त क्रिस्टल संरचना डेटा पर प्रशिक्षित किया गया है।
- इस तकनीक में नए लक्ष्य शामिल करना शामिल है, जिससे मशीन लर्निंग को मानव सहायता के साथ नए डेटा को लेबल (Label) करने में सक्षम बनाया जा सकता है।
- GNoME की भविष्यवाणियों का नवीकरणीय ऊर्जा, बैटरी अनुसंधान, सेमीकंडक्टर डिजाइन और कंप्यूटिंग दक्षता सहित विभिन्न क्षेत्रों के लिए निहितार्थ हैं।

समाचारों में स्थान

सेशल्स

हाल ही में बाढ़ के बीच विस्फोट के बाद सेशेल्स ने आपातकाल की घोषणा कर दी है।

सेशेल्स (राजधानी:विक्टोरिया)

- सेशेल्स हिंद महासागर में मेडागास्कर के उत्तर-पूर्व में और केन्या से लगभग 1,600 किमी पूर्व में 115 द्वीपों का एक द्वीपसमूह है।
- यह सोमाली सागर के पूर्वी किनारे पर अवस्थित है।

भूराजनीतिक सीमाएँ: सेशेल्स कोमोरोस, मेडागास्कर और मॉरीशस जैसे द्वीप देशों के साथ समुद्री सीमाएँ साझा करता है।

भौगोलिक विशेषताएं :

- सेशेल्स का उच्चतम बिंदु मोर्ने सेशेलोइस है।
- अल्डब्रा (Aldabra) का अत्यधिक पारिस्थितिक महत्व है। यह वनस्पतियों और जीवों की एक विविध श्रृंखला का संरक्षण करता है और विशाल कछुओं जैसी दुर्लभ प्रजातियों का आवास है।
- इसमें मूंगा द्वीप और चट्टानी भूभाग दोनों हैं, जिसमें इसके विविध द्वीपसमूह के साथ संकीर्ण तटरेखाएं भी शामिल हैं।
- यहां आर्द्र उष्णकटिबंधीय जलवायु पायी जाती है, जिसमें पूरे वर्ष लगातार आर्द्रता, उच्च तापमान और प्रचुर वर्षा होती है।

POINTS TO PONDER

- हाल ही में भूटानी लेखक शेरिंग ताशी को साहित्य अकादमी द्वारा कौन सी प्रतिष्ठित साहित्यिक फ़ेलोशिप प्रदान की गई? - **प्रेमचंद फ़ेलोशिप**
- किन दो देशों ने क्रमशः 2018 और 2023 में चीन की बेल्ट एंड रोड पहल से बाहर निकलने की घोषणा की? - **2018 में सिएरा लियोन और 2023 में फिलीपींस**
- पारंपरिक बिजली संयंत्रों के विपरीत, शीतलन के लिए छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों (SMR) द्वारा उपयोग किया जाने वाला शीतलन पदार्थ क्या है? - **हीलियम**
- कौन सा राष्ट्रीय उद्यान कॉरिडोर कनेक्टिविटी के माध्यम से सतपुड़ा टाइगर रिजर्व से जुड़ा है? - **पेंच राष्ट्रीय उद्यान (मध्य प्रदेश)**
- प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (PM-USHA) किस वर्ष शुरू किया गया था? – **2013**